

प्रेषक,

आनन्द बर्द्धन,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,  
सिंचाई विभागा, उत्तराखण्ड,  
देहरादून।

सिंचाई अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक 14 सितम्बर 2015

विषय: सी0एस0एस0-एफ0एम0पी0 (UK-15 & UK-17) मद के अन्तर्गत निर्माणाधीन योजनाओं हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1775/मु0अ0वि0/बी-1 (सामान्य) दिनांक 15.05.2015 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि केन्द्रपोषित बाढ़ प्रबन्धन कार्यक्रम के अन्तर्गत यू0के0-15 एवं यू0के0-17 निर्माणाधीन योजनाओं हेतु गत वित्तीय वर्ष 2014-15 में शासनादेश सं0 1519/11-2014-03(15)/2012, दिनांक 24.06.2014 एवं शासनादेश सं0 386/11-2014-03(15)/2012, दिनांक 21.10.2014 द्वारा अवमुक्त केन्द्रांश की धनराशि ₹709.71 लाख एवं राज्यांश की धनराशि ₹901.46 लाख के सापेक्ष 31 मार्च, 2015 को समर्पित केन्द्रांश ₹420.00 लाख एवं राज्यांश ₹532.47 लाख अर्थात् कुल ₹952.47 लाख (नौ करोड़ बावन लाख सैंतालीस हजार मात्र) की धनराशि को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में उन्ही दोनो निर्माणाधीन योजनाओं में निम्न विवरणानुसार व्यय किये जाने हेतु उल्लिखित प्रतिबन्धों के अधीन आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र. सं.	जनपद/परियोजना का नाम	लागत	स्वीकृति की तिथि	वर्ष 2014-15 में माह 3/2015 तक व्यय		वर्ष 2014-15 में समर्पित धनराशि		(धनराशि लाख ₹ में)	
				केन्द्रांश	राज्यांश	केन्द्रांश	राज्यांश	वर्ष 2015-16 हेतु अवमुक्त धनराशि	
	जनपद हरिद्वार								
1	जनपद हरिद्वार में सोलानी नदी के किनारे बसे ग्रामों की आवादी एवं कृषि भूमि की सुरक्षा हेतु तटबन्ध एवं स्टड निर्माण की योजना (UK-15)	1609.00	2013-14	289.71	8.73	0.00	53.72	0.00	53.72
2	हरिद्वार में सोलानी नदी के दोनो तटों पर बसे ग्रामों रामपुर, इब्राहिमपुर, सोलानीपुरम, जमालपुर आदि की आवादी एवं कृषि भूमि की सुरक्षा हेतु रीवर ट्रेनिंग कार्य (तटबन्ध एवं स्टड निर्माण) की योजना (UK-17)	3319.49	2013-14	0.00	360.26	420.00	478.75	420.00	478.75
	योग	4928.49		289.71	368.99	420.00	532.47	420.00	532.47

- धनराशि उन्ही योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु एवं उसी सीमा तक व्यय की जायेगी जिनका अनुमोदन एवं जितनी लागत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की गई है।
- योजनाओं का कार्य कराते समय बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 तथा शासन द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निर्गत अन्य आदेशों का अनुपालन करना सुनिश्चित किया जाय।
- अधीक्षण अभियन्ता सभी योजनाओं का स्थल निरीक्षण कर स्थलीय आवश्यकतानुसार एवं शासन द्वारा अनुमोदित आगणन/लागत के अनुसार कार्य प्रारम्भ करवाना सुनिश्चित करें।
- अधीक्षण अभियन्ता का दायित्व होगा कि कार्यों को सम्पादित कराने से पूर्व आगणन में लगाई गयी लीड, दूरी आदि का सत्यापन करें तथा आगणन में ली गयी दरों का पुनः परीक्षण करा लें ताकि किसी दर में कोई भ्रान्ति उत्पन्न न हो।
- कार्य कराने से पूर्व परियोजनाओं के विस्तृत मानचित्र आगणन गठित कर तकनीकी स्वीकृति प्राप्त कर लें, तदपरोन्त ही कार्य करायें।



- (vi) आगणन में जिन मदों के लिए धनराशि की व्यवस्था की गयी है व्यय भी उन्हीं मदों में सुनिश्चित किया जाय।
- (vii) निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय और उपयुक्त न पाये जाने पर सामग्री को प्रयोग में न लाया जाय।
- (viii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना उसके मानक में अनुमन्य है।
- (ix) एक मुश्त प्राविधान के कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- (x) कार्य सम्पादित कराते समय विभागीय विशिष्टियों का पालन करना सुनिश्चित किया जाय तथा कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाय।
- (xi) धनराशि का आहरण सी0सी0एल0 हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा तथा स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31.03.2016 तक पूर्ण उपभोग कर लिया जायेगा।
- (xii) योजना के क्रियान्वयन के समय भारत सरकार, जल संसाधन मंत्रालय द्वारा निर्गत की गयी नवीन गाईड लाईन्स व गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग के निर्देशों का अनुपालन किया जाय।
- (xiii) विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग द्वारा प्रश्नगत कार्यों का समय-समय पर भौतिक सत्यापन किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- (xiv) उल्लिखित कार्यों/योजनाओं में पूर्व निर्मित कार्यों की गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होने पर एवं आगणन में स्वीकृत डिजाइन/मानक एवं दरों के अन्तर्गत होने पर ही स्वीकृत धनराशि को व्यय किया जायेगा।
2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-20 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूंजीगत परियोजना-01-बाढ़ नियंत्रण-103-सिविल निर्माण कार्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें-0101-त्वरित सिंचाई लाभ एवं बाढ़ प्रबन्धन कार्यक्रम (आपदा पैकेज सहित)-24-वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं0- 201/XXVII(2)/2015, दिनांक 10 सितम्बर, 2015 में प्राप्त उनकी सहगति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(आनन्द बर्द्धन)  
सचिव।

संख्या:-208। (1)/11-2015-03(15)/2012, टी0सी0 तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (ऑडिट) उत्तराखण्ड वैभव पैलेस सी-1/105, इन्दिरानगर, देहरादून।
2. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
3. कमिश्नर (गंगा) भारत सरकार, जल संसाधन मंत्रालय (गंगा विंग) नई दिल्ली।
4. निजी सचिव, मा0 सिंचाई मंत्री जी को मा0 मंत्री जी के संज्ञानार्थ।
5. वित्त अनु-2, /नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. निदेशालय, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
10. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
11. कोषाधिकारी, देहरादून/हरिद्वार।
12. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
13. मुख्य अभियन्ता (गढ़वाल) सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून।
14. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(चन्दन सिंह रावत)  
अनु सचिव।